an>

Title: Need to include moral education in education policy.

डॉ. मनोज राजोरिया (करौली-धौलपुर): महोदय, मैं आपका ध्यान भारत सरकार की नई शिक्षा नीति की तरफ आकर्षित करना चाहता हूँ। आज समाज में कर्तव्य और अधिकारों की बात होती है तो लोगों की कर्तव्यों के बजाय अधिकारों के प्रति ज्यादा जागरूकता है। आज शिक्षा ऐसी दी गई, जिसके लिए लोगों ने रचनात्मक भूमिका के बजाय विध्वंसक भूमिका निभाना शुरू कर दिया है। समाज का कोई भी तबका हो, चाहे वह आमजन हो, छात्र-छात्राएं हों, शिक्षक हों, कर्मचारी हों, डॉक्टर हों, इंजीनियर हों, चाहे हमारे कुछ साथी नेता भी हो सकते हैं, लेकिन जब नैतिक शिक्षा की कमी होती है तो वे अपने मार्ग से भटक जाते हैं। उसी वजह से वे अपने कार्यों को अच्छी दिशा देने के बजाय गलत दिशा में ले जाते हैं और अपनी योग्यता का दुरूपयोग करने लगते हैं।

महोदय, मैं आपके माध्यम से मानव संसाधन मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी जी से अनुरोध करना चाहूँगा कि कक्षा एक से बारह तक नई शिक्षा नीति में नैतिक शिक्षा को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए, जिससे आने वाली पीढ़ियों में नैतिक शिक्षा मजबूत हो और देश सही दिशा में चल सके। बहुत-बहुत धन्यवाद।

HON. DEPUTY-SPEAKER:

Shri Bhairon Prasad Mishra is permitted to associate with the issue raised by Dr. Manoj Rajoria.